DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

Howzat! An Appeal To Utilise Vacant Land In Schools For Sports Facilities

Non-Profit Body Writes To LG On Behalf Of Villages In South-West Delhi

Shradha.Chettri
@timesgroup.com

New Delhi: Residents of several villages in south-west Delhi have urged that large plots lying vacant in government schools should be developed for sports facilities and parks. They have sought the help of an NGO in this regard.

In several government schools in the district, located mostly in the rural belt, the buildings occupy a small portion of land while the rest — spanning several acres — is unused. In one school, over 4.2 acres is vacant.

On behalf of the villages, the Centre for Youth Culture Law and Environment (CYCLE), a non-profit organisation, has written to the chairman of Delhi Development Authority (DDA), who is the lieutenant governor, seeking his intervention for proper utilisation of the available land. The letter has been forwarded to the Directorate of Education (DoE), but action is yet to be taken on it.

PLOTS LYING VACANT

School	Total area of school (in acres)	Area of building (in acres)	Area under developed sports facility (in acres)
Ghumanhera (Boys)	6.4	0.8	2 (Astro turf)
Ghumanhera (Girls)	6.3	0.7	0.4 (Park)
Ujwa (Boys)	2.5	0.9	0
Ujwa (Girls)	1	0.4	0
Malikpur (Co-Ed)	5.2	0.9	0

In the letter, which has images attached of vacant plots, Paras Tyagi of CYCLE has pointed out that the "main aim of education is the holistic development" of children.

"Each child has the potential to excel in some field. Some children, apart from academics, may do very well in other spheres. All-around growth can be achieved only if the child is given plenty of exposure to areas like sports and games and imparted proper training so he or she can explore and realise their innate inclination and abilities," he wrote.

The villages in the area include Ghumanhera, Rawta, Malikpur, Ujwa, Jaffarpur, Surhera, Dhansa, Qazipur, Khera Dabar, Mundhela Kalan, Mitraon and others.

In the five schools surveyed, facilities have been developed and are being used only in one. In the school at Ghumanhera, an astro hockey turf has been developed. Of its total area of 6.44 acres, the school building is about 0.8 acres, the hockey turf covers 2 acres while the rest is vacant. In the school at Malkapur, over 4 acres of land is lying unused.

"The issue is closely related to the utilisation of playgrounds in government schools of Delhi. Therefore, the representation is being forwarded (to DoE) for appropriate action," stated the letter written by the DDA deputy director (planning).

Speaking to **TOI**, CYCLE's Tyagi said, "People use the main arterial roads for evening and morning walks, which is dangerous, especially for children riding bicycles. There has been no help forthcoming so far."

When contacted, DoE officials did not respond on the matter.

Teenager falls into water-filled plot from terrace, dies; dad blames official apathy

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: In a tragic incident, a 15-year-old boy who was sitting on the parapet of his terrace died after he allegedly slipped and fell on a vacant plot adjacent to his house, which was filled with water. The incident took place in outer Delhi's Kirari area on Tuesday night.

Residents have alleged that the vacant plot comes under Delhi Development Authority (DDA) and water has been accumulating there for months, but nothing has been done about it.

Locals claimed that eight months back, a three-year-old girl too had drowned while playing next to the plot.

Monty (15) lived in the Agar Nagar area in Kirari

DDA officials did not respond to **TOI**'s queries regarding the incident.

The incident took place when Monty (15), who resides with his family in Agar Nagar area in Kirari, went to the terrace of his house for a walk post dinner. According to Monty's father, Narayan, there was a loud knock on the door from the neighbours informing them that they heard a loud noise.

Narayan said he could not find his son anywhere and realised it could have been him. He said he kept pleading with people to save him, but no one around knew how to swim.

He told **TOI**: "This is not a tragic incident but a murder. Eight months back, a 3-year-old girl died after she slipped while playing. The plot has stagnant water, which is dirty and full of trash. My daughter too had once fallen in it earlier, but Monty managed to get her out as he was close by. Even when the 3-year-old girl had died, several officials had come and promised to solve the problem in a week, but eight months later, here I am after losing my son. Had the plot been empty and not filled with water, my son could have probably survived".

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER: नई दिल्ली, 23 दिसंबर, 2022 दैनिक जागरण ATED----------

तीन कालोनियों को पक्का करने की योजना बना रहा है निगम

- कालोनी पक्का होने से शुरू हो जाती है मकान की रजिस्ट्री
- पार्षद भी विकास कार्य के लिए लगा सकता है अपना फंड

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को पक्का करने की दिशा में दिल्ली नगर निगम भी तेजी से कार्य कर रहा है। दिल्ली नगर निगम ने तीन कालोनियों का प्लान तैयार कर लिया है, जिन्हें पक्का किया जाना है। निगम के अनुसार दक्षिणी दिल्ली के खिड़की एक्शटेंशन से लेकर ईस्ट आदर्श नगर कालोनी और स्वरूप नगर कालोनी का नक्शा तैयार कराया जा रहा है। इसकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद निगम इन कालोनियों को नियमित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे देगा। इसके बाद डीडीए को इस प्लान को मंजूर करना होगा। अधिसूचना जारी होने के बाद इन कालोनियों को पक्का कर दिया जाएगा।

दिल्ली में कुल 1797 अनधिकृत कालोनियां हैं। इसके अतिरिक्त समय-समय पर अब तक 895 कालोनियां नियमित हो चुकी हैं। ऐसे में निगम ने तीन और कालोनियों को नियमित करने की तैयारी कर ली है। निगम अधिकारियों के अनुसार तीनों कालोनियों के लिए योजना तथा वास्तुकला विद्यालय से नक्शा तैयार कराया जा रहा है। इसके बाद यह कालोनियां नियमित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ जाएगी।

कालोनी में घुस सकें अग्निशमन वाहन: कालोनी को नियमित करने की कई शर्तें होती है। इसमें एक प्रमुख शर्त यह भी होती है कि कालोनी में अग्निशमन विभाग के वाहनों को प्रवेश मिल सकें। सड़कें इतनी चौड़ी होनी चाहिए। चूंकि अनधिकृत कालोनियों में अनियोजित विकास हुआ है और गलियां पतली-पतली हैं। इसलिए इन कालोनियों को पक्का नहीं किया जा सकता है। ऐसे में कुछ कालोनियों का सर्वे कर उन्हें शर्तों पर परखा जाता है। ऐसे में शर्तें पूरी होने पर उन्हें पक्का करने की योजना बनाई जाती है।

कालोनी पक्की होने का लाभ

रजिस्ट्री करा सकते हैं
नक्शा पास हो सकता है
मकान पर लोन मिल सकता है
सड़क से लेकर स्वच्छता सबंधी सभी कार्य निगम कर सकता है
निगम पार्षद अपनी विकास निधि नियमित कालोनियों में लगा सकता है

पीएम उदय योजना के तहत तय हो गई है बाउंड्री

दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों में नागरिकों को मालिकाना हक देने के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री अनधिकृत कॉलोनियां दिल्ली आवास अधिकार (पीएम-उदय) योजना जारी कर रखी है। इसके तहत पंजीकरण कराने पर डीडीए सर्वे के बाद संपत्ति का मालिकाना हक देता है। इससे मकान की रजिस्ट्री होने लग जाती है। ऐसे में लोग अपनी संपत्ति की खरीद फरोख्त रजिस्ट्री के माध्यम से कर सकते हैं। इस योजना के तहत केंद्र सरकार ने सभी 1797 कालोनियों की बाउंड्री तय कर दी थी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---------- नई दिल्ली, 23 दिसंबर, 2022 दैनिक जागरण V

दिल्ली की तर्ज पर ताजनगरी में बनेंगे बायोडायवर्सिटी पार्क

संजीव गुप्ता • नई दिल्ली

- तैयार किए जाएंगे दो पार्क, एक ताज के पीछे यमुना किनारे और दूसरा गुरु का ताल के पास
- प्रो. सीआर बाबू की टीम के सुझावों पर यूपी सरकार ने मंजूर किए आठ करोड़, डीपीआर हो रही तैयार

दिल्ली के बायोडायवर्सिटी पार्कों का नजारा जल्द ही दुनिया के सात अजूबों में से एक ताजमहल के आसपास भी देखने को मिलेगा। ताज के पीछे और मुगल बादशाह अकबर के मकबरे के पास दिल्ली की तर्ज पर दो बायोडायवर्सिटी पार्कों का निर्माण किया जाएगा। इससे ताजमहल के आसपास का इलाका पहले से ज्यादा हराभरा होगा और प्रदूषण से भी थोड़ी राहत मिलेगी।

राजधानी में लगभग 20 साल पहले बायोडायवर्सिटी पार्कों का निर्माण शुरू किया गया था। फिलहाल यहां के अलग-अलग हिस्सों में डीडीए के सात पार्क बन चुके हैं। यहां पर प्राकृतिक उपायों के जरिए पुराने पारिस्थितिक तंत्र एवं पर्यावास को लौटाने के प्रयास किए जाते हैं। यमुना और अरावली बायोडायवर्सिटी पार्कों को खासी सफलता मिली है। प्राकृतिक उपायों के जरिये पारिस्थितिक तंत्र में सुधार को लेकर दिल्ली में सीखे गए सबक अब ताजमहल के आसपास की प्रकृति को संवारने में काम आएंगे। ताज के आसपास प्रदूषण को कम किया जा सकेगा और भूमिगत जल स्तर में बढ़ोतरी हो सकेगी। डीडीए जैवविविधता पार्क कार्यक्रम के प्रमुख प्रो. सीआर बाबू की टीम ने आगरा में उन दो जगहों का निरीक्षण किया, जहां यह पार्क बनेंगे।

दो जगह बनेंगे बायोडायवर्सिटी पार्क

आगरा में दो जगह बायोडायवर्सिटी पार्क स्थापित किए जाएंगे। एक पार्क ताजमहल के पीछे यमुना किनारे वन विभाग की 400 एकड़ जमीन पर बनेगा। 2010 में यहां एक वैटलेंड भी विकसित किया गया था। यहां पर प्राकृतिक उपायों के जरिये नाले के पानी का शोधन किया जाएगा। साथ ही वहां पर मौजूद वन विभाग की 400 एकड़ जमीन को बायोडायवर्सिटी पार्क के जरिए हरा-भरा किया जाएगा। यहां पर नालों का पानी साफ करने का प्रयास किया जाएगा। दूसरा पार्क अकबर के मकबरे के पास सिकंदरा में गुरु का ताल के पास 700 एकड़ में स्थापित किया जाएगा।

नीला हौज और कालिंदी पार्क के उपाय होंगे कारगर

दिल्ली के नीला हौज बायोडायवर्सिटी पार्क में सबसे पहले प्राकृतिक उपायों से नाले के पानी को साफ करने की तकनीक विकसित की गई थी। बाद में यमुना किनारे कालिंदी बायोडायवर्सिटी पार्क में भी इसे अंजाम दिया गया।

यह है विकसित वेटलैंड

विकसित वेटलैंड में खास तरीके से नमभूमि तैयार की जाती है। इसमें कहीं पर बजरी और कहीं पर खास प्रजातियों के पौधे लगाए जाते हैं। इनमें से होकर गुजरने वाला पानी बहुत हद तक साफ हो जाता है। यमुना के पानी को साफ करने में भी मदद मिलती है।

स्थानीय प्रजातियों के पेड़-पौधों की जुटा रहे जानकारी

बायोडायवर्सिटी पार्क के निर्माण के लिए इन दोनों स्थलों पर लगाए जा सकने वाले स्थानीय प्रजाति के पेड़-पौधों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। ताकि उन्हें यहां लगा कर स्थानीय पर्यावास में सुधार किया जा सके।

प्रो. सीआर बाबू की टीम के दौरे के बाद इन दोनों पार्कों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने आठ करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिए हैं। अब डीपीआर तैयार की जा रही है। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से आगे की प्रक्रिया पर काम होगा।

-रमन, सदस्य, सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित निगरानी समिति (पेयजल, सीवेज, ड्रेनेज और ठोस कचरा निस्तारण), सदस्य ताज ट्रेपेजियम जोन अथारिटी।